संख्या-483/2025/2284/22-2-2023-17(363)/2024

प्रेषक,

शिव गोपाल सिंह,
संयुक्त सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 लखनऊ, दिनांक: 23 मई, 2025

विषय:- केन्द्रीय कारागार, नैनी, प्रयागराज में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी संजय सिंह पुत्र श्री भगवान बक्श सिंह, निवासी जनपद-रायबरेली की फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक उप महानिरीक्षक (मु0), कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं उ0प्र0, लखनऊ के पत्र संख्या-16636/प्रोवेशन-3-फार्म-ए/(एम-01-05-2023) दिनांक-19-05-2023 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार केन्द्रीय कारागार, नैनी, प्रयागराज में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी संजय सिंह पुत्र श्री भगवान बक्श सिंह, जो असहन जगतपुर, थाना-शिवगढ़, जनपद-रायबरेली का निवासी है। दहेज में मोटर साइकिल एवं भैंस की मॉग को लेकर बन्दी दिनांक 25-01-2007 को अपनी पत्नी मंजू को मार पीटकर एवं मिट्टी का तेल डालकर जला दिया जिसकी उपचार के दौरान जिला अस्पताल रायबरेली में मृत्यु हो गयी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-116/2007 में भा0द0वि0 की धारा-302,498ए एवं 4डी0पी0 एक्ट में मा0 विशेष न्यायाधीश ई0सी0 एक्ट/अपर सत्र न्यायाधीश-04, रायबरेली के आदेश दिनांक-14-08-2013 द्वारा आजीवन कारावास से दण्डित किया गया। बन्दी द्वारा दिनांक 23.03.2023 तक अपरिहार 16 वर्ष, 01 माह, 17 दिन तथा सपरिहार 19 वर्ष, 02 माह, 10 दिन की सजा भोगी गयी है।

3- जिला मजिस्ट्रेट रायबरेली की अध्यक्षता में सम्पन्न जिला स्तरीय समिति की बैठक दिनांक 25-01-2023 में जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है तथा जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक द्वारा मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में बन्दी के पुन: अपराध करने में अशक्त नहीं होने, भविष्य में पुन: अपराध की सम्भावना होने, जेल मे और आगे निरूद्ध रखने का सार्थक प्रयोजन होने की आख्या अंकित करते हुये बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

4- प्रोबेशन बोर्ड का अभिमत है कि दहेज में मोटर साइकिल एवं भैंस की मॉग को लेकर बन्दी दिनांक 25-01-2007 को अपनी पत्नी मंजू को मार पीटकर एवं मिट्टी का तेल डालकर एवं आग लगाकर हत्या करने का जघन्य अपराध किया गया है। इस तरह के अपराधियों की समयपूर्व रिहाई से समाज में न्यायिक प्रणाली के बारे में विपरीत सन्देश जायेगा। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता एवं जघन्यता जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा समिति की आख्या में समयपूर्व रिहाई का विरोध किये जाने के दष्टिगत प्रिजनर्स रिलीज आंन प्रोबेशन एक्ट-1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बन्दी संजय सिंह पुत्र श्री भगवान बक्श सिंह को फार्म-ए/लाइसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

5- अतः उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि केन्द्रीय कारागार, नैनी, प्रयागराज में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी संजय सिंह (बन्दी संख्या-1344/14) पुत्र श्री भगवान बक्श सिंह, निवासी जनपद-रायबरेली को यू०पी० प्रिजनर्स रिलीज आंन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के

1- यह शासनादेशइलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.inसे सत्यापित की जा सकती है ।

प्राविधानों के अन्तर्गत फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर मुक्ति का पात्र नहीं पाया गया है। अतएव उक्त बन्दी की फार्म-ए/लाइसेंस पर मुक्ति सम्यक् विचारोपरान्त राज्यपाल महोदया द्वारा अस्वीकार कर दी गयी है। तदनुसार उसके फार्म-ए पर शासन के आदेश अंकित करके एतदद्वारा वापस लौटाया जा रहा है। कृपया प्राप्ति स्वीकार करते हुए शासन के निर्णय से बन्दी को तत्काल अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नक: यथोपरि।

(बन्दी का फार्म-ए एवं समस्त पत्रादि सहित)

भवदीय,
शिव गोपाल सिंह
संयुक्त सचिव।

संख्या-483/2025/2284(1)/22-2-2023 तददिनांक...

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, रायबरेली।
2- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, नैनी, प्रयागराज।
3- नोडल अधिकारी/अधीक्षक, जिला कारागार, गाजियाबाद को मा0 उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली में योजित विशेष अनुज्ञा याचिका (क्रि0) सं0-529/2021 सोनाधर बनाम छत्तीसगढ़ राज्य तथा सुओ मोटो रिट पिटीशन(क्रिमि0) सं0-04/2021 पॉलिसी स्ट्रेट्जी फार ग्रान्ट ऑफ बेल में मा0 उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली द्वारा पारित आदेश दिनांक 10.09.2024 के सन्दर्भ में।
4- निजी सचिव, मा0 मंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।
5- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।
6- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
ममता श्रीवास्तव
अनु सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेशइलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.inसे सत्यापित की जा सकती है ।

शासनादेश संख्या-483/2025/2284/22-2-2023-17(363)/2024

दिनांक: 23 मई, 2025 का संलग्नक

सरकार के आदेश

केन्द्रीय कारागार, नैनी, प्रयागराज में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी संजय सिंह पुत्र श्री भगवान बक्श सिंह, जो असहन जगतपुर, थाना-शिवगढ़, जनपद-रायबरेली का निवासी है। दहेज में मोटर साइकिल एवं भैंस की मॉग को लेकर बन्दी दिनांक 25-01-2007 को अपनी पत्नी मंजू को मार पीटकर एवं मिट्टी का तेल डालकर जला दिया जिसकी उपचार के दौरान जिला अस्पताल रायबरेली में मृत्यु हो गयी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-116/2007 में भा0द0वि0 की धारा-302,498ए एवं 4डी0पी0 एक्ट में मा0 विशेष न्यायाधीश ई0सी0 एक्ट/अपर सत्र न्यायाधीश-04, रायबरेली के आदेश दिनांक-14-08-2013 द्वारा आजीवन कारावास से दण्डित किया गया। बन्दी द्वारा दिनांक 23.03.2023 तक अपरिहार 16 वर्ष, 01 माह, 17 दिन तथा सपरिहार 19 वर्ष, 02 माह, 10 दिन की सजा भोगी गयी है।

जिला मजिस्ट्रेट रायबरेली की अध्यक्षता में सम्पन्न जिला स्तरीय समिति की बैठक दिनांक 25-01-2023 में जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है तथा जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक द्वारा मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में बन्दी के पुन: अपराध करने में अशक्त नहीं होने, भविष्य में पुन: अपराध की सम्भावना होने, जेल मे और आगे निरूद्ध रखने का सार्थक प्रयोजन होने की आख्या अंकित करते हुये बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

प्रोबेशन बोर्ड का अभिमत है कि दहेज में मोटर साइकिल एवं भैंस की मॉग को लेकर बन्दी दिनांक 25-01-2007 को अपनी पत्नी मंजू को मार पीटकर एवं मिट्टी का तेल डालकर एवं आग लगाकर हत्या करने का जघन्य अपराध किया गया है। इस तरह के अपराधियों की समयपूर्व रिहाई से समाज में न्यायिक प्रणाली के बारे में विपरीत सन्देश जायेगा। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता एवं जघन्यता जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा समिति की आख्या में समयपूर्व रिहाई का विरोध किये जाने के दृष्टिगत प्रिजनर्स रिलीज आंन प्रोबेशन एक्ट-1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बन्दी संजय सिंह पुत्र श्री भगवान बक्श सिंह को फार्म-ए/लाइसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

उक्त के दृष्टिगत सम्यक् विचारोपरान्त राज्यपाल महोदया द्वारा बन्दी की फार्म-ए/लाइसेंस के आधार पर समयपूर्व रिहाई अस्वीकार कर दी गयी है।

शिव गोपाल सिंह
संयुक्त सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेशइलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.inसे सत्यापित की जा सकती है ।